

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 367
02 दिसंबर, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

एग्रो टेक्सटाइल्स को बढ़ावा देना

367. श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह:

श्री नलिन सोरेन:

श्री विजय कुमार दूबे:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने कृषि उत्पादकता और किसान कल्याण के लिए एग्रो-टेक्सटाइल्स के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु कोई पहल की है और यदि हां, तो झारखंड के दुमका जिला और उत्तराखंड सहित तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) झारखंड और उत्तराखंड सहित स्थापित किए गए स्मार्ट एग्रो-टेक्सटाइल केंद्रों की राज्य-वार संख्या कितनी है, उनके उद्देश्य, लागत और उक्त केंद्रों की वर्तमान कार्यात्मक स्थिति क्या है;
- (ग) उक्त केंद्रों और कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित या लाभान्वित किसानों की झारखंड और उत्तराखंड सहित राज्य-वार कुल संख्या कितनी है; और
- (घ) क्या सरकार एग्रो-टेक्सटाइल हस्तक्षेपों को और अधिक क्षेत्रों में विस्तारित करने और उन्हें झारखंड और उत्तराखंड राज्यों में ग्रामीण आजीविका योजनाओं के साथ एकीकृत करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिता)

(क) से (ग): देश में एग्रो-टेक्सटाइल सहित टेक्निकल टेक्सटाइल क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वस्त्र मंत्रालय ने वर्ष 2020 में राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) का शुभारंभ किया। मिशन के तहत, एग्रो-टेक्सटाइल से संबंधित 14 अनुसंधान परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है (विवरण अनुबंध-1 में दिया गया है)। इसके अलावा, दिसंबर 2024 में नवसारी, गुजरात में 3.73 करोड़ रुपये की कुल लागत से क्लाइमेट-स्मार्ट एग्रो-टेक्सटाइल डेमोस्ट्रेशन सेंटर की स्थापना की गई है, ताकि लाइव प्रदर्शनों के माध्यम से कृषि क्षेत्र के लिए इनोवेटिव और सस्टेनेबल एग्रो-टेक्सटाइल अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने, किसानों के लिए प्रशिक्षण और उत्पादकता बढ़ाने, लागत कम करने, क्लाइमेट रेजिलिएंस में सुधार और सस्टेनेबल पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा सकें। डेमो सेंटर का संचालन सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन (ससमीरा) द्वारा किया जा रहा है। डेमो सेंटर में अब तक कुल 576 किसानों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

(घ): राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन देश में तकनीकी वस्त्रों को बढ़ावा देने के लिए एक अखिल भारतीय पहल है। मिशन का रणनीतिक फोकस एग्रो-टेक्सटाइल पर है, जो कृषि सस्टेनेबिलिटी और उत्पादकता बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानता है। एनटीटीएम के तहत पहलें रिसर्च और इनोवेशन, बाजार विकास, निर्यात संवर्धन और कौशल पर फोकस करती हैं।

एनटीडीएम के तहत एग्रोटेक्सटाइल्स के लिए स्वीकृत अनुसंधान और विकास परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	परियोजना शीर्षक	कार्यान्वयन संस्थान
1	कीटनाशक युक्त एग्रोनेट्स : बायोस्फीयर पर कीटनाशक के भार को कम करने के लिए ग्रीन टेक्नोलॉजी	रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), डीआरडीओ, असम
2	नेचुरल फाइबर वेस्ट का प्रयोग करके लंबे समय तक चलने वाला और बायोडिग्रेडेबल इलेक्ट्रोस्पिन/नीडल पंच नॉन वूवन कम्पोजिट मल्व बनाना।	आईआईटी दिल्ली
3	उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों के उत्पादन के लिए सुरक्षित इको-फ्रेडली बनावट पर नेचुरल फाइबर पर आधारित एग्रो-टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स का मूल्यांकन	आईआईटी खड़गपुर
4	ऑर्गनोफॉस्फेट इंसेक्टिसाइड्स, पेस्टिसाइड्स और नर्व एजेंट्स की टॉक्सिसिटी से बचाने के लिए फंक्शनल टेक्सटाइल्स	आईआईटी-इंदौर
5	“पश्चिम बंगाल के रेड और लैटेराइटिक क्षेत्रों में पिछड़े किसान समुदाय की आजीविका सुरक्षा को बढ़ावा देने तथा फसल उत्पादकता में वृद्धि हेतु मैंगो-बेस्ड इंटरक्रॉपिंग सिस्टम की उपयुक्तता जाँचने के लिए जूट एग्रो-टेक्सटाइल्स का संभावित मल्लिंग सामग्री के रूप में उपयोग।”	बिधान चंद्र कृषि विश्व विद्यालय, पश्चिम बंगाल
6	एग्रो टेक्सटाइल के लिए भारतीय हिमालय के गैर-परंपरागत फाइबर का सस्टेनेबल प्रयोग	सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर
7	लंबे समय तक चलने वाले मैकेनिकल और कीटनाशक गुणों वाले नेचुरल फाइबर का प्रयोग करके नेचुरल हर्बल एक्सट्रैक्ट कोटेड सीड प्रोटेक्शन बैग का विकास	दक्षिण भारतीय अनुसंधान संघ (सिटरा), कोयंबटूर
8	सन हेम्प और बनाना फाइबर का प्रयोग करके क्राप कवर, मल्व, साँइल प्रोटेक्शन फाइबर और अन्य उत्पाद बनाना	उत्तरी भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (नितरा), गाजियाबाद
9	"ऑफ-सीज़न सब्जियों/फलों की खेती के लिए कम लागत वाले अवसर उपलब्ध कराने हेतु एनर्जी रिस्पॉन्सिव एग्रोटेक्सटाइल का विकास।	सिंथेटिक और आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन (ससमिरी), मुंबई
10	रोटेंट, बैक्टीरिया, फंगस और वायरस और यूवी रिपेलेट गुणों सहित माइक्रोऑर्गेनिज्म से सुरक्षा के साथ कृषि उत्पादों की पैकेजिंग के लिए इको फ्रेडली नैचुरल फाइबर आधारित सस्टेनेबल एग्रो-टेक्सटाइल का विकास।	ऊन अनुसंधान संघ (डब्ल्यूआरए), मुंबई
11	स्टोर किए गए बीजों की सुरक्षा और क्वालिटी बनाए रखने के लिए जूट बैग का विकास	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) -कोलकाता
12	नेचुरल फाइबर वेस्ट से प्लांटिंग ग्रोथ मीडिया: बिना मिट्टी वाली फसल उगाने की प्रणाली में विकास की विशेषता और मूल्यांकन।	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) -कोलकाता
13	बेहतर फसल उत्पादन के लिए स्मार्ट फंक्शनैलिटी वाले ट्यूनेबल एग्रो टेक्सटाइल का विकास	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीएलआरआई), चेन्नई
14	कृषि अवशेष का उपयोग करके फोम-इन-प्लेस पैकेजिंग का विकास	आईआईटी कानपुर